अध्यक्ष की कलम से

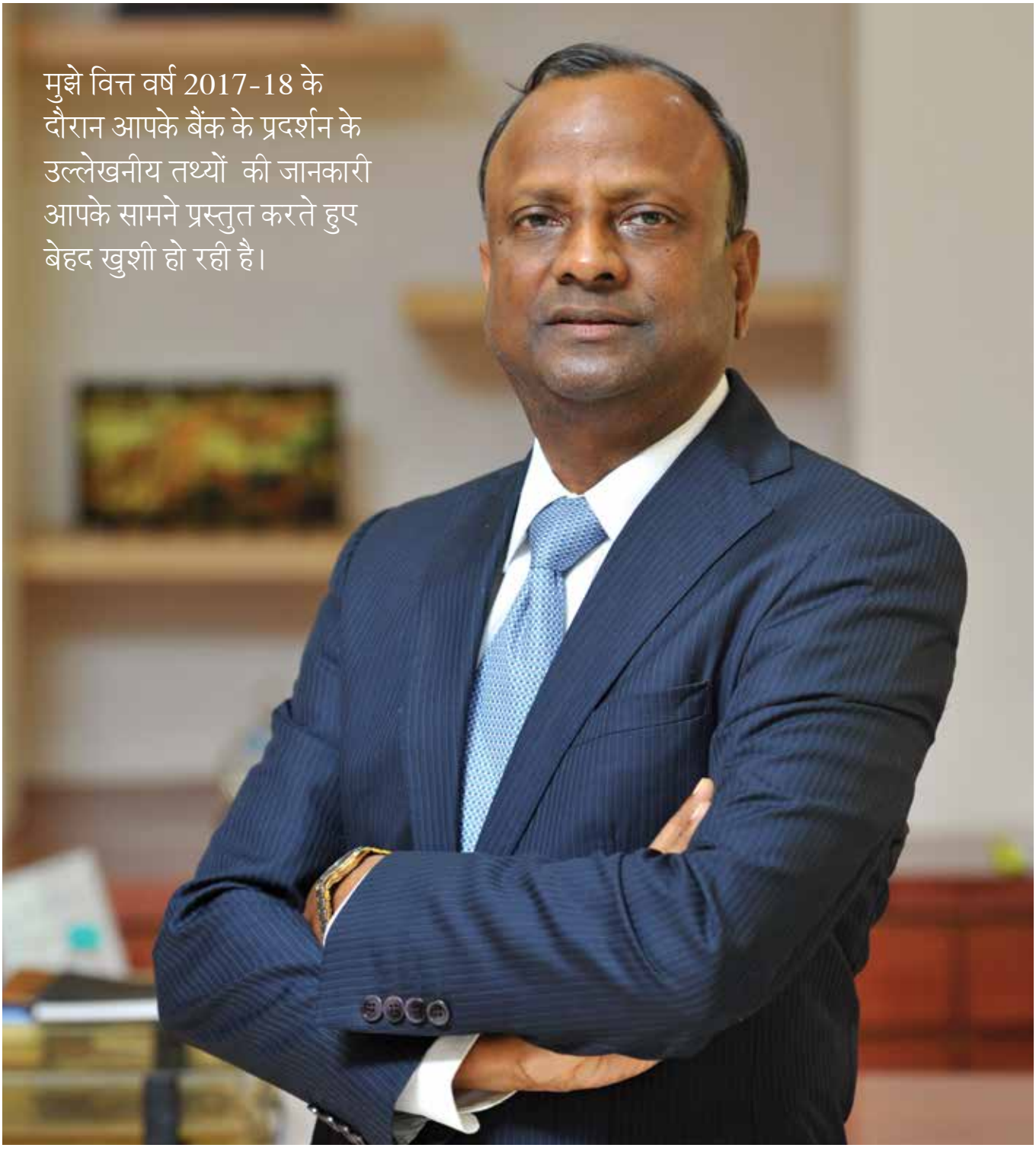
मुझे वित्त वर्ष 2017-18 के
दौरान आपके बैंक के प्रदर्शन के
उल्लेखनीय तथ्यों की जानकारी
आपके सामने प्रस्तुत करते हुए
बेहद खुशी हो रही है।

प्रिय शेयरधारको,

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान आपके बैंक के प्रदर्शन के उल्लेखनीय तथ्य मैं सहर्ष आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूँ। आपके बैंक द्वारा की गई पहलों तथा उपलब्धियों का विवरण संलग्न वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 में उपलब्ध है।

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था में वर्ष 2017 में अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग वृद्धि दर दर्ज की गई। विशेषकर, यूएस तथा यूरो क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है। इस बीच, उभरते बाजारों तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है, उभरते यूरोप में वृद्धि के गति पकड़ने और उभरते एशिया की निरंतर वृद्धि इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं। तेल की कीमतों के नीचे रहने और भौगोलिक राजनीतिक संघर्षों के कारण मध्य-पूर्व की वृद्धि दर धीमी रही है। अमेरिका के द्वारा टैरिफ लगाए जाने और अमेरिका एवं चीन के बीच व्यापार युद्ध के भय से वर्ष 2018 में वित्तीय अस्थिरता बढ़ी है। जो भी हो, दोनों देशों के बीच हुए कुछ समझौतों के बाद अमेरिका द्वारा चीन के खिलाफ लगाए जाने वाले टैरिफ को रद्द कर दिया गया है, जिससे बड़े व्यापार युद्ध की आशंका अब टल गई है। कुल मिलाकर विश्व की जीडीपी के 2018 में 3.9% की दर से बढ़ने की संभावना है जिसमें विकसित और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा क्रमशः 2.5% तथा 4.9% की वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है। इन सबके बावजूद, अधिकतर संरक्षणवादी नीतियों को अपनाए जाने, भौगोलिक राजनीतिक अनिश्चितता और यूएस द्वारा ईरान पर बढ़ाए गए प्रतिबंधों तथा उसके कारण तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव विश्व वृद्धि दर के बढ़ने में बड़े खतरे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वित्त वर्ष 2018 की 6.7% वृद्धि दर के मुकाबले वित्त वर्ष 2019 में 7.4% वृद्धि दर दर्ज करने का अनुमान है, जिसका मुख्य कारण विश्व स्तर पर बेहतर माँग, अच्छे मानसून की संभावनाएं, ऋण व्यवसाय में तेजी और सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे सुधार हैं। इनसॉलवेंसी एवं बैंकरप्सी कोड के अंतर्गत तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के शीघ्र समाधान से अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ेगा।

आपके बैंक का प्रदर्शन

कासा जमा राशियों के निरंतर बढ़ने से जमा वृद्धि दर में मजबूती

विगत वर्ष हुए विमुद्रीकरण के कारण, आपके बैंक की कुल जमा राशियों में 4.68% ठीकठाक वृद्धि हुई और ये ₹ 27,06,343 करोड़ के स्तर पर पहुँच गई जो पिछले वर्ष ₹ 25,85,320 करोड़ थी। कुल जमा राशियों में बढ़ोत्तरी मुख्यतया बचत बैंक जमा राशियों में वृद्धि 7.88% और विदेश स्थित कार्यालयों की जमा राशियों में 17.07% वृद्धि होने के कारण आपके बैंक का कासा अनुपात बढ़कर 45.68% हो गया है, जो पिछले वर्ष के 44.40% के मुकाबले 128 आधार अंक अधिक है।

रिटेल ऋणों से ऋण वृद्धि दर को गति

आपके बैंक के कुल ऋण ₹ 20,00,000 करोड़ के स्तर को पार कर चुके हैं। 4.91% की वृद्धि के साथ ये पिछले वर्ष के ₹ 19,52,507 करोड़ के स्तर से बढ़कर मार्च 2018 में ₹ 20,48,387 करोड़ पर पहुँच गए हैं। देश में कुल ऋणों में वैयक्तिक, एसएमई और कृषि रिटेल ऋणों का हिस्सा 57.5% (₹17,46,389 करोड़) है। अग्रिमों में अधिकांश वृद्धि गृह ऋण और ऑटो ऋण खुदरा क्षेत्र से आयी। कुल मिलाकर, रिटेल ऋणों में वित्त वर्ष 2018 में 13.55% की वृद्धि हुई। यह इस क्षेत्र में जोरदार वृद्धि करने की बैंक की रणनीति के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2018 में गृह ऋण 13.26% बढ़कर ₹3,13,106 करोड़ के हो गए जबकि वित्त वर्ष 2017 में ये ₹ 2,76,454 करोड़ के थे। आपके बैंक के पर्सनल रिटेल ऋणों में वित्त वर्ष 2018 में 57% हिस्सा गृह ऋण का है। आपका बैंक मार्च 31 मार्च 2018 को एएससीबी के बीच 32% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ बैंकिंग सेक्टर में सबसे बड़ा ऋण प्रदाता है।

चैनल बढ़ाने की नीति

अग्रसर भारत की गतिशीलता को बढ़ाने और इसे निरंतर गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से, आपके बैंक ने सर्वाधिक संख्या में टच प्वांइट, शाखाएं तथा अन्य माध्यम जनता तक पहुंचने के लिए स्थापित किए हैं। आज देश भर में हमारी 22,414 शाखाएं, 59,541 एटीएम, सीडीएम, रीसायक्लर्स, 6.10 लाख पीओएस मशीने और 58,274 व्यवसाय प्रतिनिधि केंद्र हैं। कस्टमर एक्सपीरियेंस एक्सलेंस प्रोग्राम सीईईपी पूरे देश में पाँच हजार से अधिक शाखाओं के लिए आरंभ किया गया है। इसमें एटीएम, सीडीएम/ रीसायक्लर, पासबुक प्रिंटिंग के लिए स्वयं इलेक्ट्रॉनिक चेक ड्रॉप बॉक्स तथा इंटरनेट समर्थित पीसी जैसी स्वयं सहायता मशीनें शामिल हैं।

आपका बैंक देश भर में विश्वसनीयता का प्रतीक है। एनआरआई समुदाय, भारतीय कॉरपोरेट, निर्यातकों और आयातकों के साथ ही स्थानीय समुदायों एवं कॉरपोरेट के लिए वित्तीय उत्पादों के साथ इसने अपने पंख पूरी दुनिया में फैलाए हैं। वर्तमान में आपके बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों की संख्या 206 है। ये सभी महाद्वीपों के 35 देशों में स्थित हैं। वित्त वर्ष 2018 के दौरान आपके बैंक ने मालदीव्स में एक नई शाखा खोली है। नेपाल एसबीआई बैंक लि., जो एसबीआई की सहायक कंपनी है, ने अपनी सात शाखाएं खोली हैं। इसी अवधि में, सिलहट शाखा (बांग्लादेश) और दोहा शाखा (कतर) को बंद कर दिया गया। दो मैनेज्ड एक्सचेंज कंपनियाँ और दो प्रतिनिधि कार्यालय भी (दुबई और अबू धाबी में) एसोसिएट बैंकों के मर्जर से एसबीआई में शामिल हो गए हैं।

तकनीक एवं डिजिटल बैंकिंग

आपका बैंक भारत में अपने ग्राहकों को सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रबल समर्थक है। आपका बैंक अपने ग्राहकों को अभिनव तथा अत्याधुनिक उत्पाद इस उद्देश्य से उपलब्ध करा रहा है कि वे कभी भी और कहीं से भी उपलब्ध रहें।

करीब 27.83 करोड़ डेबिट कार्ड के साथ मार्च 2018 में आपका बैंक देश में डेबिट कार्ड जारीकर्ताओं में 32.3% बाजार शेयर के साथ शिखर पर था। अगस्त 2017 में, आपके बैंक ने तुरंत उपलब्ध व्यक्तिगत फोटो डेबिट कार्ड-'क्विक फोटो डेबिट कार्ड' नाम से शुरू किए हैं, पाँच मिनट के भीतर जारी करने की यह सुविधा स्टेट बैंक के किसी भी शाखा के बचत खाता धारक के लिए उपलब्ध है।

आपके बैंक का एटीएम नेटवर्क 31 मार्च 2018 को 59,541 एटीएम, कैश जमा मशीन (सीडीएम) और रीसायक्लर के साथ विश्व के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक है। आपके बैंक के पास भारत में एटीएम नेटवर्क का 28.8% बाजार शेयर है (भारतीय रिज़र्व बैंक के आंकड़े)। एसबीआई एटीएम नेटवर्क के द्वारा भारत के कुल एटीएम लेनदेन का 47.2% लेनदेन होता है। औसतन प्रतिदिन हमारे एटीएम नेटवर्क के द्वारा एक करोड़ लेनदेन होते हैं।

मोबाइल बैंकिंग चैनल में अब 305 लाख से अधिक रजिस्टर्ड उपयोगकर्ता हैं। वित्त वर्ष 2018 में ₹ 6,00,000 करोड़ मूल्य के लेनदेन हुए। आपके बैंक ने लेनदेन की मात्रा (21.2%) और लेनदेन के मूल्य (19.8%) दोनों वर्गों में सभी बैंकों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

एसबीआई ऑनलाइन विश्व की 5वीं सबसे अधिक लोकप्रिय वित्तीय वेबसाइट है, इसके 4.79 करोड़ प्रयोक्ताओं ने वर्ष के दौरान 159 करोड़ लेनदेन किए।

भारत डिजिटल क्रान्ति के दौर से गुजर रहा है। नवोन्मेषन एवं नूतन तकनीक को अधिकाधिक अपनाने का साक्षी बन रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है। आपका बैंक भी तकनीकी उन्नति के साथ प्रगति कर रहा है। मल्टी चैनल प्लेटफार्म पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। इस प्रतिस्पर्धा में स्वयं को आगे रखे हुए है। वर्ष के दौरान अपनी डिजिटल पहल के तहत हमने कुल लेनदेन के प्रतिशत में डिजिटल लेनदेन के प्रतिशत को 600 आधार अंक बढ़ाया है।

24 नवंबर 2017 को, भारतीय स्टेट बैंक ने भारत के प्रथम सर्वसुविधा संपन्न डिजिटल सेवा प्लेटफार्म योनो यानी 'यू ओनली नीड वन' का आरंभ किया। एक सर्वांगीण सर्व-सुलभ डिजिटल प्लेटफॉर्म चैनल 'योनो' बैंकिंग तथा अन्य वित्तीय उत्पादों के साथ भारत के सबसे बड़े B2C मार्केट प्लेस पर अपने ग्राहकों की दैनिक जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप 16 वर्गों में उपलब्ध है। 31 मार्च 2018 तक 4 मिलियन आवेदनकर्ताओं ने इसे डाउनलोड किया जिसमें 1.36 लाख डिजिटल और इंस्टा बचत खाता खोले गए।

हम स्वयं को ऐसे डिजिटल संगठन में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसके बैक एंड परिचालन तकनीक समर्थित हों। ग्राहकों से संबंधित परिचालन के डिजिटलीकरण के साथ-साथ हम अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं की गुणवत्ता और दक्षता बढ़ाने के लिए ऑटोमेशन में निवेश करते रहेंगे। इससे परिचालन खर्च में कमी आएगी। हम अपने कर्मचारियों को आय बढ़ाने के कार्यों में लगा सकेंगे। लेनदेन के डिजिटल भुगतान के ऐसे निरंतर प्रयासों से न केवल लेनदेन के खर्च में कमी आएगी बल्कि इससे कागज के कम प्रयोग के कारण कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद मिलेगी।

लाभप्रदता

शुद्ध लाभ के मामले में वर्ष 2017-18 एक कठिन वर्ष रहा। इसके प्रमुख कारण ऋण हानि प्रावधान, सरकारी सिक्योरिटीज के सीधे बाजार में कारोबार से नुकसान और बड़े पैमाने पर किए गए प्रावधान तथा बैंक कर्मियों को भुगतान रहे।

बैंक का परिचालन लाभ और बैंक की शुद्ध ब्याज आय वित्त वर्ष 18 में क्रमशः ₹59,511 करोड़ और ₹74,854 करोड़ के स्तर पर स्थिर रही, जिसका प्रमुख कारण ऋण सम्पत्तियों की गुणवत्ता पर निरंतर तनाव रहा।

गैर-ब्याज आय और शुल्क आय में वित्त वर्ष 18 में क्रमशः 4.61% और 10.51% प्रतिशत की वृद्धि हुई। बट्टे खाते में डाले गए ऋणों की वसूली में 34.56% की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई और इस प्रवृत्ति के अभी जारी रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 18 में स्टाफ खर्चों में 2.34% कमी आई। 3,211 नए कर्मचारियों ने बैंक सेवा ग्रहण की जबकि 18,973 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। वर्ष के दौरान कुल कार्यबल में 15,762 व्यक्तियों की कमी आई। इसी तरह, पूरे संगठन में सुदृढ़ जागरूकता उत्पन्न होने और विभिन्न लागत इष्टतमीकरण उपायों को लागू किए जाने के कारण, ऊपरी खर्च में बढ़ोतरी को 10% से कम तक नियंत्रित रखा गया।

ट्रेडिंग पक्ष चौथी तिमाही में, घरेलू बॉण्ड के प्रतिफल में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण अप्रत्याशित रहा। इसका मुख्य कारण, कच्चे तेल की कीमतों का बढ़ना, यूएस की ब्याज दरों में तेजी और मध्य-पूर्व में भू-राजनीतिक जोखिमों का बढ़ना है। परिणामस्वरूप ट्रेडिंग आय में कमी आई और एमटीएम में भारी घाटा हुआ। हालांकि आरबीआई द्वारा व्यापार बही के नुकसान को चार तिमाहियों में परिशोधित करने की छूट दी थी, पर हमने आरबीआई की इस छूट का लाभ नहीं लिया।

ऋण संपत्ति गुणवत्ता

बैंक का सकल एनपीए मार्च 2017 के ₹ 1,77,866 करोड़ से बढ़कर मार्च 2018 में ₹ 2,23,427 करोड़ हो गया जबकि समान अवधि में नेट एनपीए ₹ 96,978 करोड़ से बढ़कर ₹1,10,855 करोड़ हो गया। आरबीआई की फरवरी 2018 की अधिसूचना के बाद कॉरपोरेट तनावग्रस्त ऋण-संपत्तियों की पहचान की पद्धति में पर्याप्त बदलाव हुए। वित्त वर्ष 2018 में स्लिपेज अनुपात घटकर 4.85% हो गया जो पिछले वर्ष 5.78% था। कुल मिलाकर सकल एनपीए अनुपात 10.91% रहा। वित्त वर्ष 2018 की समाप्ति पर निवल एनपीए अनुपात 5.73% रहा। प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) में 464 आधार अंक की वृद्धि के साथ यह मार्च 2017 के 61.53% से बढ़कर मार्च 2018 में 66.17% हो गया।

आरबीआई द्वारा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत निदेश जारी करने के बाद बैंक ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) से संपर्क किया। मार्च 2018 में बैंक की ₹ 77,626 करोड़ की राशि एनसीएलटी रिजोल्यूशन के लिए सूचीबद्ध की गई है। इन खातों का पीसीआर 63% है। हमें वित्त वर्ष 2019 की पहली छमाही में एनसीएलटी की सूची 1 के माध्यम से बड़े पैमाने पर समाधान की उम्मीद है। एनसीएलटी सूची 2 का समाधान वित्त वर्ष 2019 के अंत तक होने की संभावना है।

इस अवधि के दौरान रिटेल ऋण सम्पत्तियों की गुणवत्ता बेहतर हुई है। कॉरपोरेट क्रेडिट साइकल भी लगभग समाप्ति पर है। वित्त वर्ष 2019 से इसमें और अधिक सुधार देखने को मिलेगा।

पूंजी संरचना

पहले की तुलना में अधिक प्रावधान करने के कारण लाभप्रदता प्रभावित होने के बावजूद बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात सीएआर में पोर्टफोलियो पुनर्संरचना से सुधार होने के कारण क्रेडिट रिस्क वेटेड की तुलना में ग्रौस क्रॉस एडवांस अनुपात 780 आधार अंक घटकर 31 मार्च 2018 को 71.14% हो गया। वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹15,000 करोड़ क्यूआईपी इक्विटी के द्वारा अर्जित किए। यह भारत में अब तक का सर्वाधिक और एशिया प्रशांत क्षेत्र में तीसरा सबसे बड़ा क्यूआईपी है। सरकार ने भी ₹ 8,800 करोड़ का पूंजी निवेश किया। ₹ 5,436 करोड़ एसबीआई लाइफ के आईपीओ के माध्यम से 8% हिस्सेदारी के विनिवेश द्वारा प्राप्त हुए। परिणामस्वरूप बैंक का सीईटी 1 अनुपात 27 बेसिस प्वांइट सुधरकर मार्च 2018 में 9.68% हो गया। कुल सीएआर 12.60% रहा जो विनियामक आवश्यकताओं से पर्याप्त अधिक है।

नए व्यावसायिक प्रयास

वित्त वर्ष 2018 के दौरान आपके बैंक ने अनेक नवोन्मेषी और नए प्रयास प्रत्येक व्यवसाय को गति देने के लिए किए। इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण पहलें निम्न प्रकार हैं:

- आपके बैंक ने एसबीआई के साथ इसके 5 सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक लिमिटेड का ऐतिहासिक मर्जर 1 अप्रैल 2017 को पूरा किया। हमारी टीम ने अथक प्रयास किए। पूरी प्रक्रिया निर्बाध पूरी कर ली गई। न तो टेक्नोलोजी और न ही एचआर के काम में कोई बाधा आई। ग्राहकों को अपने साथ जोड़ने का कार्य सुचारु रूप से चला। मर्जर का लाभ अब एक नहीं अनेक क्षेत्रों में मिल रहा है।

- भारत सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप आपके बैंक ने किफ़ायती आवास क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की पहलें की हैं। आवास ऋण क्षेत्र में बेहतर और शीघ्र ऋण मिलने की ग्राहक की अपेक्षाओं को पूरी करने के लिए आपके बैंक ने कम समय में ऋण देना सुनिश्चित करने का एक अभियान चलाया। इस कारण आवास ऋण मंजूरी का औसत समय मार्च 2018 तक घट कर मात्र 9 दिन रह गया। यह इंडस्ट्री स्तर पर सबसे कम समय है।

- आपके बैंक ने दो नई वेबसाइट शुरू की हैं, इनमें से एक केवल एसबीआई होम लोन के लिए है (https://homeloans.sbi) यह ग्राहकों को बैंक के होम लोन उत्पादों के विषय में त्वरित जानकारी देती है। दूसरी एसबीआई रियल्टी है (www.sbirealty.in) यह वेबसाइट ग्राहकों को बैंक द्वारा अनुमोदित भारत भर की परियोजनाओं की जानकारी घर खरीदने वालों को देती है। यह डेवलपर्स और खरीदारों को एक प्लेटफार्म पर लेकर आता है जिससे ग्राहकों को एसबीआई की अनुमोदित परियोजनाओं की जानकारी मिलती है।

- किफ़ायती हाउसिंग के क्षेत्र में "एसबीआई गृहनिर्माण अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट फाइनेंस योजना" लांच की गई है। इसका उद्देश्य किफ़ायती आवास परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देना है। पहली बार घर खरीद रहे ग्राहकों की इसमें सहायता करना है। आपका बैंक क्रेडाई के एक इवेंट में पार्टनर बना जिसमें 375 अफोर्डेबल हाउसिंग परियोजनाओं को पूरे भारतवर्ष में एक साथ लॉन्च किया गया।

- शिक्षा ऋण आवेदनों की ट्रैकिंग और उसकी तत्काल संस्वीकृति के लिए आपके बैंक ने विद्या लक्ष्मी पोर्टल, भारत सरकार के साथ लोन ओरिजिनेशन सिस्टम को परस्पर जोड़ा है ताकि शिक्षा ऋण के आवेदनों की ट्रैकिंग और त्वरित संस्वीकृति सुनिश्चित की जा सके।

- वेल्थ मैनेजमेंट और ट्रांजैक्शन बैंकिंग निरंतर शुल्क आय का अब सशक्त माध्यम बन गए हैं। वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं के तहत आपके बैंक ने वित्त वर्ष के दौरान 5 नए केंद्र और 55 विशेष नए वेल्थ को जोड़ा है। इसके ग्राहकों की संख्या मार्च 2018 में 24,168 पर पहुँच गई जो मार्च 2017 में 3,772 थी। एयूएम यानी प्रबंध अधीन खातों की राशि मार्च 2018 में ₹14,284 करोड़ पर जा पहुंची है जो मार्च 2017 में ₹ 2,996 करोड़ थी। आपके बैंक ने अनिवासी भारतीयों के लिए भी वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएँ शुरू की हैं। ट्रांजैक्शन बैंकिंग यूनिट (टीबीयू) टेक्नोलोजी संचालित इकाई है। इसके प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के लिए उत्पादों और समाधानों से संबंधित अनेक प्रकार के लेनदेन किए जा सकते हैं।

- ट्रांजेक्शन बैंकिंग यूनिट (टीबीयू) टेक्नोलोजी संचालित इकाई है। इसके प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के लिए उत्पादों और समाधानों से संबंधित अनेक प्रकार के लेनदेन किए जा रहे हैं। वित्त वर्ष 2018 के दौरान टीबीयू की शुल्क आय में वर्ष-दर-वर्ष 33.6% की वृद्धि हुई और टर्नओवर राशि बढ़कर 67.3% तक हो गई। बाजार में आ रही नई तकनीकों पर नजर रखते हुए, आपका बैंक ग्राहकों को भविष्य के लिए टेक्नोलोजी आधारित समाधान उपलब्ध कराता है।

- आपके बैंक ने देश के पहले व्यापक डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म योनो "YONO" यानी (You Only Need One) की शुरुआत की है जो ग्राहकों की दैनिक जीवनशैली की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु उनके लिए अन्य वित्तीय उत्पादों के साथ-साथ भारत के सबसे बड़े B2C मार्केटप्लेस तक पहुंच उपलब्ध कराता है।

- अग्रसर भारत का सर्वप्रिय बैंक बनने के लक्ष्य के साथ आपके बैंक ने एनएचएआई की अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन आईटीसी सफलतापूर्वक लागू की है। आपका बैंक एसबीआई फास्ट टैग जारी कर रहा है। यह रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी आरएफआईडी पर आधारित है। ग्राहकों को देशभर के टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिकली टोल भुगतान में सक्षम भी बनाता है। एसबीआई फास्ट टैग का उपयोग कर ग्राहक इलेक्ट्रॉनिकली टोल का भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक एसबीआई फास्ट टैग वॉलेट को ऑनलाइन टॉपअप या रिचार्ज करने के लिए कार्ड या नेट बैंकिंग का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए एक विशेष पोर्टल बनाया गया है।

अनुषंगियां

अपनी अनुषंगियों के माध्यम से एसबीआई अपने ग्राहकों को विस्तृत वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराता है। वित्त वर्ष में अनुषंगियों के द्वारा अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

एसबीआई कैपिटल मार्केट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2018 के दौरान ₹ 327 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है जो वित्त वर्ष 2017 में ₹ 252 करोड़ था। एसबीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2018 में भी बाजार में अपनी लीडरशिप को जारी रखा है। निजी बीमा कंपनियों में वैयक्तिक न्यू बिजनेस प्रीमियम में यह प्रथम है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में ₹1150 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है जबकि वित्त वर्ष 2017 में यह ₹ 955 करोड़ था। एसबीआई कार्ड ने वर्षानुवर्ष 37% की वृद्धि दर्ज की है। कार्ड के द्वारा किए जा रहे खर्चों में वर्षानुवर्ष 73% की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2018 में कंपनी ने ₹ 363 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है जबकि वित्त वर्ष 2017 में यह ₹ 390 करोड़ था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने 7.8 मिलियन निवेशक आधार के साथ वित्त वर्ष 2018 में ₹ 331 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया है जबकि वित्त वर्ष 2017 में यह ₹ 224 करोड़ था। साथ ही वर्ष के दौरान एसबीआई म्यूचुअल फंड ने 2 ट्रिलियन एसेट अंडर मैनेजमेंट के ऐतिहासिक मील के पत्थर को पार किया।

एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु एक प्रमुख फैक्टरिंग सेवा प्रदाता है जिसने वित्त वर्ष 2018 में ₹ 3,555 करोड़ का टर्नओवर किया है जबकि वित्त वर्ष 2017 में यह ₹ 3,047 करोड़ था। 31 मार्च 2018 को एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड का कुल एयूएम ₹ 89,283 करोड़ रहा, जबकि 31 मार्च 2017 को यह ₹ 66723 करोड़ था। इसमें 34% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। इसका कुल एयूएम बाजार अंश निजी क्षेत्र में 58% और सरकारी क्षेत्र में 35% है।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में 17.5% की इंडस्ट्री स्तरीय वृद्धि के मुकाबले सकल लिखित प्रीमियम में 36.1% (वित्त वर्ष 2018 के लिए ₹ 3,553 करोड़) की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2018 में कर पश्चात लाभ ₹ 396 करोड़ रहा जबकि वित्त वर्ष 2017 में यह ₹ 153 करोड़ रहा था। पीएमएफबीवाई योजनाओं में सहभागिता और भौगोलिक क्षेत्रों का विस्तार करके कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में फसल बीमा में 124.8% की वृद्धि दर्ज की है।

सम्मान और पुरस्कार

आपके बैंक द्वारा प्राप्त किए गए कुछ पुरस्कारों के बारे में बताते हुए मुझे हर्ष हो रहा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा वित्त वर्ष 2018 में हमें सर्वाधिक स्वयं सहायता ग्रुप बैंक लिंकेज के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। आपके बैंक को 2017 में जोखिम प्रबंधन के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड से सम्मानित किया गया। ग्लोबल ट्रेड रिव्यू, लंदन के द्वारा लगातार दूसरे वर्ष एसबीआई को सर्वश्रेष्ठ ट्रेड फाइनेंस बैंक फॉर साउथ एशिया रीजन घोषित किया गया। एसबीआई फाउंडेशन के द्वारा आपके बैंक के कारपोरेट सामाजिक दायित्व फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है कि हमें गोल्डन ग्लोब टाइगर अवार्ड फॉर एक्सीलेंस एंड लीडरशिप इन सीएसआर तथा ईटी नाउ सीएसआर लीडरशिप अवार्ड विभिन्न वर्गों में दिया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वित्तीय समावेशन में तकनीक के प्रयोग के लिए हमें सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सिस्टम बड़े बैंकों में आई डी आर बी टी बैंकिंग टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड से भी हमें सम्मानित किया गया। आपके बैंक की हिंदी गृह पत्रिका 'प्रयास' को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2017 में 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भी 'प्रयास' पत्रिका को वर्ष 2017 के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया है।

अनुषंगियों में, एसबीआई लाइफ को भारत की लीडिंग बीमा कंपनी लाइफ (निजी क्षेत्र) से डुन एंड ब्रॉड स्ट्रीट बीएफएसआई सम्मिट 2018 में सम्मानित किया गया। इसे लगातार 7 वें वर्ष द इकनोमिक टाइम्स ब्रांड इक्विटी नीलसन सर्वे के द्वारा सर्वाधिक विश्वसनीय ब्रांड 2017 से सम्मानित किया गया। एसबीआई पेंशन फंड को पेंशन फंड हाउस वर्ग में आउटलुक मनी द्वारा वित्त वर्ष 2017 का विजेता घोषित किया गया है। एसबीआई जनरल ने ईटी बेस्ट बीएफएसआई ब्रांड अवार्ड 2018 और फिनटेकिटल द्वारा आयोजित बैंकाएश्योरेंस लीडर अवार्ड, इंश्योरेंस अवॉर्ड्स जीता है।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

आपके बैंक का मानना है कि समाज के पिछड़े तथा कम भाग्यशाली लोगों के जीवन में निरंतर परिवर्तन लाना उसका दायित्व है। आपके बैंक ने जन-साधारण व्यक्ति की चिंताओं विशेषकर सबसे पिछड़े लोगों को केंद्र में रखा है। आपके बैंक ने पिछले वर्ष के शुद्ध लाभ के 1% को सीएसआर के इस वर्ष के बजट के लिए निर्धारित किया है। इसकी सीएसआर गतिविधियां व्यापक हैं। इसकी जड़ें गहरी हैं। इसने हजारों गरीबों और पिछड़े समुदायों के जीवन में परिवर्तन लाया है। आपका बैंक सीएसआर समाज के लोगों के जीवन को बेहतर बनाकर समग्र समाज के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने अपने 151 ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से 68% की रोजगार दर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में 6,13,020 युवाओं के प्रशिक्षण हेतु 23,007 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं।

वित्त वर्ष 2018 में आपके बैंक का सीएसआर का खर्च ₹ 112.96 करोड़ रहा। यह लगातार छठा वर्ष है जब बैंक का सीएसआर खर्च ₹ 100.00 करोड़ के मील के पत्थर को पार कर गया।

पर्यावरण एवं अस्तित्व संरक्षण

आपका बैंक पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए भी सकारात्मक योगदान दे रहा है। इस क्षेत्र की प्रमुख पहल हैं- (i) कचरे से सोना- एक ऐसी परियोजना है जो आशंकित युवाओं को प्रोत्साहित और दक्ष बनाती है जिससे शहर के कचरा प्रबंधन और इसके जरिए निरंतर आजीविका के लिए छोटे-छोटे व्यवसायों को चलाने में मदद मिले, और (ii) एसबीआई कॉर्बेट- इस परियोजना के अंतर्गत एसबीआई फाउंडेशन गांवों को निरंतर कचरा प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध कराता है। स्वयं सहायता समूह के कामगारों में जागरूकता बढ़ाने के लिए पास के विद्यालयों और होटलों में प्रशिक्षण देता है।

पर्यावरण के साथ जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार जिससे प्राकृतिक संसाधनों का अवनयन और अवनति ना हो। बैंक की प्राथमिकता है कि इसकी गुणवत्ता लंबे समय के लिए संरक्षित रहे। आपके बैंक ने निम्न के लिए ₹ 2.05 करोड़ का सहयोग दिया है- (क) सौर ऊर्जा प्लांट, सौर वाटर हीटर और सौर स्ट्रीट लैंप खरीदना, (ख) वृक्षारोपण तथा पार्कों को एवं बागानों का प्रबंधन एवं रखरखाव और (ग) बैटरी चालित वाहन उपलब्ध कराने में सहायता करना।

आपके बैंक ने न केवल अक्षय ऊर्जा के वित्तपोषण की शुरुआत करके अपितु पवन ऊर्जा और सोलर रूफ टोप के माध्यम से अपनी स्वयं की अक्षय ऊर्जा क्षमता का निर्माण करके भी अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। आपके बैंक ने अब तक 6.23 मेगावाट क्षमता वाली 151 सोलर रूफ टोप साइट्स स्थापित की हैं।

भावी रणनीति

गत वित्त वर्ष भारतीय बैंकिंग उद्योग के इतिहास में असाधारण रहा है। वर्ष के दौरान बाद में बैंकों का कारोबार और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर बॉण्ड व्यवसाय के अधिक लाभप्रद होने से चुनौतियां और बढ़ी हैं। वित्तीय क्षेत्र की अनिश्चितता भी बढ़ी है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी बड़ी चुनौती है। व्यापार युद्ध का खतरा फिर से बढ़ने लगा है।

इस पृष्ठभूमि में बैंक की भावी रणनीति को स्पष्टतया तैयार और लागू करना होगा। अलगे दो वर्षों में बैंक की रणनीति रहेगी कि वर्ष 2020 तक 10-12% की अच्छी ऋण वृद्धि दर्ज की जाए। व्यवसाय वृद्धि की रणनीति बनाने में दो मोर्चों पर काम करना होगा। ऋण व्यवसाय को पुनर्व्यवस्थित करने के लिए एक तो कुल ऋणों की तुलना में जोखिम पूंजी (सीआरडब्ल्यूए) अनुपात में कमी लानी होगी और दूसरा कॉरपोरेट बैंकिंग का आंतरिक पुनर्गठन करना होगा।

बैंक के भीतर कॉरपोरेट ऋण संरचना और व्यवस्था का पुनर्गठन करने की दिशा में बैंक आगे बढ़ेगा। ग्राहक आधार को और व्यापक बनाया जाएगा। नए व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कॉरपोरेट लेखा समूह (सीएजी) उच्च प्राथमिकता वाले और गुणवत्तापूर्ण ग्राहकों एवं व्यवसाय समूह पर फोकस करेगा। व्यवसाय समूहों से संबंध विकसित करने के लिए समन्वयक व्यवस्था लागू की जाएगी। सीएजी शुल्क आय, प्रोजेक्ट फाइनैंस और बड़े कॉरपोरेटो से जुड़ी सप्लाई चेनों को संपूर्ण समाधान उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ऋण जोखिम प्रबंधन कार्य के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी और ऋण प्रस्ताव मूल्यांकन व्यवस्था को भी बेहतर बनाया जाएगा।

पिछले वर्ष के बैंकिंग उद्योग के अनुभवों से सीख लेते हुए, बैंक ने समग्र आंतरिक लेखा-परीक्षा और नियंत्रण व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

बाजार में अपने प्रतिस्पर्धियों की चुनौती को हलके से नहीं लिया जा सकता। इसके लिए बैंक अपनी बैलेंस शीट के सुदृढ़ आधार और कीमत निर्धारण क्षमता का उपयोग करेगा जिससे निवेश के जोखिम की तुलना में अधिकतम लाभ लिया जा सके।

समय के साथ चलने के लिए बैंक के मानव संसाधन पर भी नई दृष्टि डालने की आवश्यकता है क्योंकि बैंक में आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस और बड़ी मात्रा में डेटा का उपयोग बढ़ता जा रहा है। कर्मचारियों के कौशल को बेहतर बनाने की आवश्यकता है जिससे वे बदलते कारोबारी माहौल में और अच्छे से काम कर सकें। अगले 5 वर्ष में सेवानिवृत्तियों की अधिक संख्या को देखते हुए, हमें भविष्य के लिए अच्छी योजना बनाने की भी जरूरत है। भावी नेतृत्व विकास के लिए उपयुक्त चयन और आवश्यकता अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था करनी होगी। इस पर कुछ कार्य चल रहा है। अगले दो वर्षों में एक संपूर्ण कार्य-योजना लागू की जाएगी।

युवा भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप बैंकिंग क्षेत्र की रूपरेखा में भी बदलाव आ रहा है। युवापीढ़ी अत्यधिक तकनीक प्रेरित है। बैंक की डिजिटल क्षेत्र में पहले से ही एक अग्रणी उपस्थिति है। हम सभी डिजिटल चैनलों पर अपनी स्थिति को और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए बैंक आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस (एआई), क्लाउड प्लेटफॉर्म के उपयोग और फिनटेक के सहयोग की पूरी सक्रियता के साथ संभावना तलाश रहा है। आपके बैंक के द्वारा डिजिटल बैंकिंग में किए गए निवेश का अच्छा लाभ मिलेगा जैसे-जैसे एक बार आस्ति गुणवत्ता के मामले सुलझते जाएंगे। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि वित्त वर्ष 2019 उम्मीदों का वर्ष होगा और वित्त वर्ष 2020 खुशियों का वर्ष होगा।

एक अज्ञात के शब्दों में, "*भूतकाल को बदला नहीं जा सकता। भविष्य अभी भी आपके हाथ में है।*"

मैं अपने सभी शेयरधारकों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने हमारी शक्ति और क्षमताओं पर लगातार विश्वास किया है। ग्राहकों का भी धन्यवाद जिन्होंने अपना बहुमूल्य सहयोग दिया और हममें भरोसा किया। कर्मचारियों का भी आभार जिन्होंने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अथक प्रयास किए।

आपका अपना,

(रजनीश कुमार)